7 फरवरी

गत्ता उत्पादक 14 को बंद रखेंगे कारखाने

पेपर रेट बढ़ाने के विरोध में लिया निर्णय, केंद्र व प्रदेश सरकार को सौंपेगे ज्ञापन

भास्कर न्यूज | बद्दी

पेपर मिलों की मनमानी के चलते हिमाचल के सभी गत्ता उत्पादक ग कारखानों में एक दिन की हड़ताल करेंगे और प्रदेश व केंद्र सरकार को ज्ञापन भी देंगे। हिमाचल प्रदेश गत्ता उद्योग संघ की प्रांतीय बैठक में आम सहमति से निर्णय लिया गया, जिसमें बीबीएन के अलावा कालाअंब, परवाणू, ऊना, सोलन, पावंटा साहिब के उद्यमियों ने भाग लिया। पेपर के रेट में 5 से 6 रुपए की बढ़ोतरी और स्टीचिंग वायर में 40 फीसदी रेटों की वृद्धि, मजदूरी और गम रेट बढ़ाने के कारण अब गत्ता उद्योग अपने ग्राहकों को आपूर्ति करने में असमर्थ हो गया है। बीबीएन गत्ता उद्योग संघ के महासचिव सुरेंद्र जैन ने बताया कि उपरोक्त तथ्यों के कारण यह तय किया है कि 14 फरवरी को प्रदेश के सभी गत्ता उत्पादक पेपर मिल्स की मनमानी के विरोध में कारखाने बंद रखेंगें ओर सभी उद्योगपति एकत्रित होकर रोष जताएंगे।

21 फरवरी को यदि रेट न बढ़े तो फिर दो दिन यही कार्यक्रम जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी से नार्थन पेपर मिल्स एसोसिएशन ने पेपर मिल्स 8 फरवरी तक लिए बंद कर रखी है और बाजार में पेपर की कमी कर दी है, जिससे रेट को अधिक से अधिक बढ़ाकर गत्ता उद्योगों की आवाज को दबाया जा सके। बैठक में मुकेश जैन, सरवाना, जलदेव, सहगल, गगन कपूर, सुरेंद्र जैन, मनीष उपस्थित थे। जिन्होंने पेपर मिलों की मनमानी की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि रेट कम न होने तक विरोध जारी रहेगा।